पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा जिले में गाड़ी बाबूओं के पदों की संख्या इस प्रकार है:-

| पद नाम | वेतनमान | संख्या |
|---|---|---|
| मुख्य गाड़ी बाबू | 250-280 रुपये | 2 |
| प्रधान गाड़ी बाबू | 205-280 रुपये | 3 |
| वरिष्ट गाड़ी बाबू | 150-240 रुपये | 45 |
| गाड़ी बाबू | 110-180 रुपये | 70 |

(ख) और (ग). कार्य के महत्व के आधार पर जहां भी उचित होता है, 250-380 रुपये के पद-क्रम के मुख्य गाड़ी बाबू के पद की व्यवस्था की जाती है। इस आधार पर गोंडा, सोनपुर, समस्तीपुर और वाराणसी जिलों में इस ग्रेड की व्यवस्था की गयी है। अन्य पदक्रम के गाड़ी बाबूओं की व्यवस्था सभी जिलों में की गई है।

**Unused Licences**

3442. SHRI R. K. AMIN : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a large number of licence issued have remained unimplemented ;

(b) if so, the details thereof ; and

(c) the steps taken to implement the licences issued ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) Yes, Sir.

(b) 11,486 licences have been issued upto 31st December, 1968 under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951. Out of these, 1954 have been revoked so far, due to non-implementation of these licences. The remaining licences have been either implemented or are in the process of implementation. Details of licences issued and licences revoked are published in the Weekly Bulletin of Industrial Licences, Import Licences and Export Licences, Weekly Indian Trade Journal and the Monthly Journal of Industry and Trade. Copies of these Journals are supplied to the Library of the Parliament.

(c) There is always a time lag between the issue of a licence and the actual setting up of the industrial undertaking. Govt. keeps a watch on the implementation of a licence through a system of progress returns which the licensees are required to submit every half-year until the undertaking is established. Steps are taken to revoke the licensees of the progress made is not satisfactory.

**Shortage of Ceramics**

3443 SHRI R. K. AMIN : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is a shortage of specialised ceramics for electrical industries such as presented porcelain and steatite for L. T. switchgear and high voltage porcelain for large bushings ;

(b) if so, whether there exists a good scope for developing the manufacture of those products in Gujarat State ; and

(c) if so, the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) There is no shortage of pressed porcelain in the country. Further, steatite for L. T. switchgear has recently been developed by a firm in Bombay. However, import of high voltage porcelain bushings above 66 KV is being allowed as there is no indigenous production of such bushings. The value of imports is about two lakhs of rupees per annum.

(b) Yes, Sir, as an additional item of production.

(c) Government have not received any proposal for the production of these articles in Gujarat State.

**1 एम० डी० मुरादाबाद सवारी गाड़ी**

3444. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1 एम० डी० मुरादाबाद सवारी

गाड़ी गत 6 मास में कभी भी दिल्ली ठीक समय पर नहीं पहुंची है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस गाड़ी को ठीक समय पर चलाने के लिये कोई विशेष आदेश जारी किये गये हैं ; और

(ग) इस गाड़ी के समय पर न पहुंचने के कारण यात्रियों को हो रही कठिनाइयों को दूर करने के लिये क्या सरकार कुछ अन्य उपायों पर विचार कर रही है ?

**रेलवे मन्त्री डा० (राम सुभग सिंह)** : (क) से (ग). 1 एम० डी० सवारी गाड़ी का संचलन पिछले 6 महीनों में सन्तोषजनक नहीं रहा है और दिल्ली में प्राय निर्धारित समय पर नहीं पहुंचती रही है। इस गाड़ी के देर से चलने में अनधिकृत रूप से खतरे की जंजीर को खींचा जाना और तांबे के तारों की व्यापक चोरी के फलस्वरूप दूर संचार में बार-बार खराबी आ जाना प्रधान कारण हैं। इन कारणों से अनियमित बिलम्ब के फलस्वरूप अत्यन्त व्यस्त मुरादाबाद-गाजियाबाद इकहरी लाइन खण्ड पर एक के बाद दूसरी प्रतिक्रिया होती है और इस खण्ड पर गाड़ियों के निर्धारित समय पर चलने में व्यतिक्रम हो जाता है।

इस खण्ड पर 1 एम० डी० सवारी गाड़ी और अन्य गाड़ियों के संचलन में सुधार के लिए खतरे की जंजीर खींचने की घटनाओं और तांबे के तारों की चोरी कम करने के लिए राज्य सरकारों के परामर्श से हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है।

**हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल में हानि**

3445. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या **औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय- कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल में पहले की अपेक्षा अब घाटा कम हो गया है;**

(ख) **यदि हां, तो घाटे के क्या कारण हैं; और**

(ग) ये कारखाने कब तक पूरी क्षमता पर कार्य करना आरम्भ कर देंगे ?

**औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मन्त्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद)** : (क) जी, हां, घाटा कम हो रहा है। 1966-67 में घाटा 720.50 लाख रु० था और 1967-68 में 569.01 लाख रुपये ।

(ख) इस प्रकार और आकार की प्रायोजना में निर्माण और उत्पादन की स्थिति में इस प्रकार का घाटा अनहोनी बात नहीं है। तकनीकी परामर्शदाताओं के सविवरण प्रायोजना प्रतिवेदन में ऐसे घाटे का पूर्वानुमान और प्रावधान है।

(ग) यह आशा की जाती है कि यदि पर्याप्त क्रयादेश प्राप्त होते रहे तो हैवी इलैक्ट्रिकल्स (इण्डिया) लिमिटेड लगभग 1973-74 तक पूर्ण क्षमता से काम करना शुरू कर देगा।

**जाली रेल टिकटों का प्रयोग**

3446. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
**श्री शशि भूषण :**

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गाजियाबाद से मोदीनगर तक यात्रा करने के लिये यात्रियों द्वारा जाली टिकटों के प्रयोग किये जाने के बारे में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) क्या इस बारे में प्रेस तथा रेलवे के कुछ कर्मचारी दोषी पाये गये हैं ; और

(ग) इसे रोकने के लिये क्या उपाय करने का विचार किया जा रहा है ?

**रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह)** : (क) ऐसी कोई शिकायत नोटिस में नहीं आयी है। लेकिन नई दिल्ली से प्रकाशित होने वाले 8-1-1969 के "नवभारत टाइम्स" में छपे एक समाचार के अनुसार एक यात्री को गाजियाबाद से मोदीनगर के लिऐ दो टिकट जारी किये गये थे जिन पर एक ही नम्बर और एक ही तारीख